मोहयाल मित्र

युवा मोहयाल कैंप

युवा मोहयाल-बिरादरी के भविष्य हैं। उनके द्वारा समर्पित भाव से किए गए कार्य मोहयालों को मान-सम्मान और सफलता के नए युग में ले जाएँगे। युवाओं का झरने की कल-कल-सा उत्साह समाज को नया रूप देता है। युवा सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने में जी-जान लगा देते हैं। विश्व के कोने-कोने में हुई प्रगति और विकास का संपूर्ण श्रेय युवाओं को ही जाता है। 'जनरल मोहयाल सभा' ने रायज़ादा बी.डी. बाली के नेतृत्व में युवाओं को हमेशा प्रोत्साहित किया है। गत वर्षों में लगे यूथ कैंप इसके प्रमाण हैं। इनसे ही आज नई पीढ़ियाँ जी.एम.एस. की गतिविधियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ गई हैं। छोटे-बड़े शहरों की मोहयाल सभाओं में युवा बढ़-चढ़कर भाग लेने लगे हैं। आज आवश्यकता है इन युवाओं को दिशा प्रदान करने की। इनमें मोहयाल सभ्यता और संस्कृति के बीज अंकुरित करने की।

'यूथ कैंप' में आने वाले सभी युवाओं से अनुरोध है कि खूब चिंतन करके आएँ और इसमें सक्रिय रूप से भाग लें। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली की हार्दिक इच्छा रही है कि युवा आगे आएँ और बिरादरी को दिशा दें।

-डॉ. अशोक लव

आध्यात्म आत्म ज्ञान

आध्यात्मिक जीवन अस्वस्थ होने में नहीं, स्वस्थ होने में है। रोग में नहीं, आरोग्य में है। पीड़ा में नहीं, प्रसन्नता में है। दमन में नहीं, रूपातंरण में है। लेकिन इस मुखर सच को समझने वाले लोग कम है, संख्या उनकी ज़्यादा है। जो लोग दमन को, स्वयं के प्रति अनाचार को अध्यात्म समझते हैं। ऐसे लोग स्वयं को भले कितना समझदार समझें, लेकिन है सिरे के नासमझ।

अध्यात्मिक जीवन स्वास्थ्य का विरोधी नहीं, अपितु वह तो परिपूर्ण स्वस्थ है। वह तो लययुक्त, संगीतपूर्ण सौंदर्य की स्थिति का पर्यायवाची है। शरीर तो बस उपकरण है। आपका अनुगामी है। तुम जैसे बनते हो, वह वैसा बन जाता है। अध्यात्मिक जीवन का मतलब शारीरिक दमन नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और भावनाओं का परिर्माजन, परिवर्तन व रूपांतरण है। अध्यात्म ज्ञान की आवश्यकता उतनी है जितनी की शिशु के लिए माँ के दूध की एवं अवधि आने पर अन्न की।

हम मोह से मुक्त होकर अपने पापों को पुण्यकर्म के द्वारा नष्ट करें। अपने दृढ़ निश्चय के साथ राग–द्वेष रूपी नई विपत्ति में बिना उलझे अपने अंदर आत्म ज्ञान का भाव पैदा करें, यही मानवीय गरिमा का असली रूप है।

-सूरज बाली, *मोहयाल सभा, पांवटा साहिब*
मो. 09318807392

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जन्मदिन मुबारक

मानसी बाली व बलराम बाली (सुपुत्री व सुपुत्र श्रीमती भावना बाली व श्री सुलक्षण बाली) के जन्मदिवस के अवसर पर श्रीमती बाला बाली व श्री सूरज बाली जी (दादा व दादी जी) ने 400

रुपए मोहयाल सभा पांवटा साहिब व 200 रु. जनरल मोहयाल सभा को भेंट किए।

-अशोक मेहता, *सह–सचिव, मोहयाल सभा पांवटा साहिब*
मो. 09816271229

■ **बेबी सभ्यता दत्ता** सुपुत्री श्री संजय दत्ता एवं श्रीमती रितु दत्ता पौत्री स्वर्गीय श्रीमती शशी दत्ता एवं श्री वीरेन्द्र दत्ता का 5वाँ जन्मदिन उनके निवास डब्ल्युजेड 103 ओम विहार फेस–2 उत्तम नगर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया केक काटने के साथ शामिल सभी मेहमानों ने जोरदार तालियों के साथ "हैप्पी बर्थ डे टू सभ्यता दत्ता" की गूंज के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। बुआ प्रीती दत्ता के साथ सभी आंमत्रित मेहमानों ने बेबी सभ्यता दत्ता अपनी शुभकामनाएँ, स्नेह एवं आशीर्वाद दिया।

इस शुभ अवसर पर बेबी सभ्यता के दादाजी श्री वीरेन्द्र दत्ता जी ने जी.एम.एस. को 501 रु. शिक्षा फंड हेतु भेंट किए।

बधाई

डॉ. विष्णु दत्ता वीरमशाही के घर 8 दिसंबर 2013 को चाँद से पुत्र ने जन्म लिया। उसका नाम काहना रखा गया। डॉ. विष्णु दत्ता सुपुत्र वीरेंद्र दत्त वीरमशाही, भतीजे भाई वेद व्यास दत्ता वीरमशाही ने सपरिवार खुशी मनाई। प्रभु बच्चे को दीर्घायु प्रदान करें। यह कुलदीपक हो और वीरम शाह जी का नाम बढ़ाए। ऊँ राधे! राधे!

-भाई वेद व्यास दत्ता

यदि मैं ईश्वर होता...

यदि मैं ईश्वर होता...
तो एक भी व्यक्ति भूखा न सोता।
इक भी बचपन दूध और दुलार को न रोता।।

यदि मैं ईश्वर होता...
तो कहीं भी अज्ञानता और अन्धकार न होता।
इस संसार में अत्याचार और दुराचार न होता।।

यदि मैं ईश्वर होता...
तो हर बाला लक्ष्मी और हर बालक राम होता।
और कोई भी रावण चैन से न सोता।।

यदि मैं ईश्वर होता...
पशु–पक्षी और प्रकृति से इस कदर खेलवाड़ न होता।
किसान सोना बौंता और जवान सरहद पर चैन से सोता।।

यदि मैं ईश्वर होता...
माता–पिता और गुरु का कभी तिरस्कार न होता।
और हर रात दिवाली और दशहरा होता।।

यदि मैं ईश्वर होता...
यदि मैं ईश्वर होता...
यदि मैं ईश्वर होता...

-दानिश दत्ता, *कृष्णा नगर, दिल्ली*
मो. 9818397274

यथार्थ भी समझें

हम सब जानते हैं कि पुस्तक का नहीं, पुस्तक में जो लिखा है, उसका महत्व होता है, जब पुस्तक में लिखी बातों को व्यवहार में लाया जाए। व्यवहार में लाए बिना धर्मग्रंथों में लिखी बातों का केवल वाचन करना निरर्थक सिद्ध होगा। सभी धर्मों के ज्ञाताओं ने कहा है कि जो धर्मग्रंथों और पंथों में है, वह जीवन के व्यवहार में आना चाहिए। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है।

एक महिला चूहों से बहुत परेशान रहती थी। उसने अपनी परेशानी पति को बताई। पति बाजार गया और एक पुस्तक खरीद कर लाया, जिसमें चूहों की समस्या से मुक्ति पाने के उपाय लिखे हुए थे। पत्नी ने बगैर पढ़े रात को पुस्तक को आसन पर जमा कर रसोई घर में रख दिया। उसने सोचा कि रात को यह पुस्तक चूहों से होने वाली समस्या को हल कर देगी। सुबह उसने रसोईघर खोला तो देखा कि पुस्तक के पन्ने कुतरे हुए हैं और खाने का सामान भी बिखरा पड़ा है।

कहने का अर्थ है कि समस्या का जो मूल है, उसे अनदेखा करके समाधान नहीं खोज सकते। चरित्र, आचरण, नैतिकता–इन सब पर अध्ययन तो बहुत करते हैं, किन्तु व्यवहार में नहीं लाते। बदलाव कैसे आए? धर्मग्रंथों की बातें जब तक व्यवहार में नहीं आएंगी, वे कोरे कागज़ के पोथे ही बने रहेंगे।

प्रस्तुतकर्त्ता–के.जी. वैद, मो.स. खमरिया, जबलपुर

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा की मासिक बैठक दिनांक 01.12.2013 को सभा के वित्त सचिव श्री अशोक वैद के निवास स्थान पर हुई। जिस में 21 सदस्यों ने भाग लिया। सर्वप्रथम भाई मतिदास जी के चित्र पर मालाएँ अप्रित की गईं एवं मोहयाल–प्रार्थना के बाद जय मोहयाल के नारे लगाए गए।

सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री बुन्दा सिंह भिमवाल जी भाई मतिदास जी के जीवन पर प्रकाश डाला एवं सुझाव दिया कि सभी भाई मतिदास जी का शहीदी–दिवस मनाते हैं, पर हमें भाई सतीदास जी का भी शहीदी–दिवस मनाना चाहिए। श्री भिमवाल जी सिख इतिहास के अच्छे जानकार हैं एवं कई समाजिक संगठनों से जुड़े हैं। वे समय–समय पर सभा का मार्गदर्शन भी करते हैं।

श्री पवन वैद एवं विपन कुमार वैद जी ने जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनने हेतु आवेदन किया है। सभा उनका धन्यवाद करती है।

सभा के सदस्यों ने मोहयाल सभा अम्बाला द्वारा आयोजित मोहयाल–मिलन की सराहना की एवं मोहयाल सभा अम्बाला को बधाई दी।

अंत में शांति पाठ के साथ कार्यवाई संमपन्न हुई। सभा के आयोजक श्री अशोक वैद जी ने सभी को शानदार जलपान करवाया एवं मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को भेंट स्वरूप 251 रुपए एवं जी.एम.एस. को 251 रुपए दिए। सभा के सभी सदस्यों ने अशोक वैद जी का धन्यवाद किया।

सभा ने यह निर्णय लिया है कि नववर्ष की मीटिंग जंजघर माडर्न कालोनी में दिनांक 5 जनवरी को होगी।

■ सभा की मासिक बैठक 12 जनवरी 2014 को जंजघर माडर्न कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को नववर्ष एवं लोहड़ी की बधाई दी।

सभा द्वारा लोहड़ी के अवसर पर एक सादा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मोहयाल सभा यमुना नगर के प्रधान श्री विपन मोहन एवं वित्त सचिव श्री चन्दर दत्ता जी के अलावा लगभग 35 भाई बहनों एवं बच्चों ने भाग लिया।

श्री विपन मोहन जी ने सभा को संबोधित किया एवं जी.एम.एस. द्वारा किए जा रहे कार्य का ब्यौरा दिया एवं अपील की ज्यादा से ज्यादा लोग जीएमएस के सदस्य बनें। इस अवसर पर सभा के सदस्य सतपाल बाली ने आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन किया।

सभा ने सर्वसम्मति से डॉ. सुरेन्द्र मेहता वरिष्ठ पत्रकार को सभा का महासचिव एवं सतपाल बाली को सचिव नियुक्त किया।

सभा ने श्री रघुनन्दन बक्शी जम्मू श्री परसराम वैद अम्बाला एवं श्री तीरथ राम दत्ता यमुनानगर के निधन पर दो मिनट मौन रखकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

अंत में प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग दिनांक 2 फरवरी 2014 को श्री मनोज वैद (प्लाट नं9, नजदीक जनता मॉडल स्कूल जैन, एस.टी.डी. के पास शिवपुरी ए कालोनी) में होगी।

सतपाल दत्ता, *प्रधान* — ***सुरेन्द्र मेहता,*** *महासचिव*
फोनः 01732–258426 — *09355310880*

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 5 जनवरी 2014 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें 22 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत श्री रमेश दत्ता ने संपूर्ण बिरादरी को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

शोक– रायज़ादा एम.डी.एस. बाली जी (श्रीमती सुमन दत्ता (पैट्रन) पत्नी श्री रमेश दत्ता के चाचा जी) का निधन 25 दिसंबर 2013 को नौएडा में हुआ। श्री एम.आर.एल. दत्ता जी जो श्री रमेश दत्ता के बड़े सांडू थे का निधन बैंगलुरू में 3 जनवरी 2014 को हुआ। दिवंगत आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने सभी के समक्ष पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। श्री रमेश दत्ता जी ने जनरल मोहयाल सभा द्वारा आयोजित यूथ कैंप के बारे में सभी को अवगत करवाया। ये कैम्प 28 व 29 मार्च 2014 को वृंदावन में लगाया जाएगा। जो अभिभावक अपने बच्चों को भेजने के इच्छुक हैं वे अपने नाम सभा के प्रधान या जनरल सैक्रेटरी को मोहयाल भवन में आकर लिखवा सकते हैं। इस कैंप में भाग लेने की आयु सीमा 50 वर्ष तक निश्चित की गई है। सभा ने 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए 'Talent Hunt' कार्यक्रम कराने का भी निर्णय किया है, जिसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकेंगे। सभी से विचार–विमर्श करने के उपरान्त यह कार्यक्रम रविवार 6 अप्रैल 2014 को कराने का निश्चय किया गया। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने विधवा पेंशन प्राप्त करने वाली बहनों से जल्दी से जल्दी फार्म भर कर जमा कराने का आग्रह किया जिससे राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार का विलंब न हो।

श्री बलराम दत्ता जी ने सभी को रायज़ादा बी.डी. बाली जी के स्वप्न कि प्रत्येक मोहयाल परिवार में 'मोहयाल मित्र' पहुँचे की याद दिलाते हुए सभी भाई–बहनों खासकर बहनों को जी.एम.एस. के आजीवन सदस्य बनने व बनाने की अपील की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि प्राप्त की– श्री प्रदीप छिब्बर 1100 रु., श्री आर.सी. दत्ता 500 रु., श्री जगमोहन छिब्बर व श्री के.एल. मोहन ने 100–100 रु.। श्री के.जी. छिब्बर ने मोहयाल भवन के लिए एक घड़ी भेंट की।

स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था के लिए श्री आर.सी. दत्ता का धन्यवाद किया गया। प्रधान जी ने सभी उपस्थितजनों का धन्यवाद किया व बताया कि अगली मासिक बैठक 2 फरवरी 2014 को मोहयाल भवन में होगी व फरीदाबाद के नौजवानों को मीटिंग में आने का निवेदन किया।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9999078425

रायज़ादा के.एस. बाली, *जन. सैक्रेटरी*
मो. 9899068573

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 4 जनवरी 2014 को श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में श्री नरेन्द्र छिब्बर जी के निवास स्थान पर आयोजित हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात सभी ने एक दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं तथा यह दुआ की कि नववर्ष देश व हमारी बिरादरी सभी के लिए मंगलमय हो। सदस्यों को यह बताया गया कि आज सुबह ही 4 जनवरी 2014 को अखिल भारतीय शिया परिषद के तत्वाधान में दूसरे शिया हुसैनी ब्राह्मण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें पंजाब के पूर्व राज्यपाल जनरल बी.के.एन. छिब्बर, जी. एम.एस. उपप्रधान श्री पी.के. दत्ता, श्री ऋत मोहन, श्री जे.पी. मेहता, नरेन्द्र छिब्बर, लवनीश मेहता, कैलाश छिब्बर, भूपेन्द्र सिंह दत्ता, प्रवीण वैद, नवीन वैद व बृजमोहन छिब्बर उपस्थित थे। शिया परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ज़ैदी ने मोहयालों द्वारा उनके लिए किए गए कार्यों व कुर्बानियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। श्री पी.के. दत्ता व जनरल छिब्बर ने भी इतिहास के इस सुनहरे पन्ने पर रोशनी डाली।

वरिष्ठ पत्रकार श्री अशवनी दत्ता व श्री सुरेन्द्र मेहता (छिब्बर) जी को 14 दिसंबर 2013 को हरियाणा के मुख्यमंत्री चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा सम्मानित किए जाने पर बधाई दी।

सदस्यों ने एक–दूसरे को लोहड़ी व मकर सक्रांति की बधाई भी दी। अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए श्रीमती अंजू छिब्बर व श्री नरेन्द्र छिब्बर जी का धन्यवाद किया गया।

–नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव मो. 09416412184*

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन बैंक कालोनी ऊना रोड पर हुई। सबसे पहले गायत्री मंत्र का 5 बार पाठ किया गया। श्री विजयंत बाली जी ने बताया कि मार्च 28, 29 को वृंदावन में जनरल मोहयाल सभा की ओर से यूथ कैंप हो रहा है, प्रधान जी ने सभी से अनुरोध किया कि इस कैंप में अधिक से अधिक मोहयाल भाई–बहन जाएँ।

प्रधान श्याम सुन्दर दत्ता जी ने सभी को नववर्ष की बधाई दी तथा सभी की सुख शांति के लिए मंगलकामना की। श्रीमती राज दत्ता पत्नी कैप्टन के.सी. दत्ता, बसंत बिहार, के निधन पर शांति पाठ किया गया तथा उनकी आत्मिक शांति के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की गई। के.सी. दत्ता के परिवार की ओर से 1100 रु. होशियारपुर सभा को दिए गए।

एन.आर.आई. सेल के प्रधान श्री जगदीशलाल मैहता ने श्रीमती चन्द्रकान्ता दत्ता के जिला परिषद के उप–चेयरपर्सन बनने पर उन्हें बधाई दी। नववर्ष के अवसर पर प्रधान श्यामसुन्दर दत्ता व महामंत्री विजयंत

बाली की तरफ से सभी मोहयाल भाई–बहनों को नववर्ष की खुशी में चाय पार्टी दी।

प्रधान जी ने मोहयाल सभा की अगली मीटिंग माहिलपुर में करवाने के लिए श्री शशपिन्द्र बाली जी को जिम्मेवारी दी। इस अवसर पर पी. पी. मोहन, हमीन्द्र कुमार बख्शी, मनोज दत्ता, दिवारका दत्त, रविकान्त, रेणु बख्शी, अरुण बाली, कोमल बाली, रुचि मोहन, अखिल बाली, एकता बाली, निखिल बाली, पवन मैहता, इन्द्रमोहन बाली, पवन मेहता, जगमोहन मेहता, श्री जगदीशलाल मेहता, विजयंत बाली, श्रीमती चन्द्रकान्ता दत्ता (उपचेयर पर्सन), श्री शशपिन्द्र बाली तथा प्रधान श्यामसुन्दर दत्ता उपस्थित थे।

–मनोज दत्ता *(मन्त्री)*

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 की जनवरी 2014 मास की बैठक दिनांक 05.01.2014 को प्रातः 10:30 बजे श्री राजेश शर्मा के कार्यालय में सभा प्रधान कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 14 बहन–भाई उपस्थित हुए। दिसम्बर 2013 मास की बैठक की कार्यवाही और लेखे–जोखे का अनुमोदन किया। अपने सम्बोधन में सर्वप्रथम प्रधान जी ने नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ सभी सदस्यों का बैठक में स्वागत किया और सभी परिवारों की सुख–शांति के लिए प्रार्थना की।

अपने सम्बोधन में प्रधान जी ने सभी सदस्यों को सूचित किया कि जिस आश्रयहीन, विधवा बहन अथवा किसी भी जरूरतमंद बहन–भाई को दिनांक 01.04.2014 से दिनांक 31.03.2015 तक जीएमएस द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता की आवश्यकता हो वे सभा प्रधान जी से फार्म लेकर भरें और दिनांक 15.02.2014 तक सभा में प्रधान जी को दे दें। जो बहन–भाई पहले से जी.एम.एस. से आर्थिक सहायता

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्राप्त कर रहे हैं और यदि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ और वे उपरोक्त समय के लिए जी.एम.एस. से आर्थिक सहायता लेने के इच्छुक हों वे भी अपना जीवन प्रमाण–पत्र भरकर 15.02.2014 तक प्रधान जी को दे दें।

समय–समय पर जारी किए गए नए आदेशों–सभा की कार्यवाही की जानकारी रखने के लिए तथा आदेशों के पालन के लिए सभी सदस्यों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक बैठकों में उपस्थित हुआ करें। सभा की जी.एम.एस. के साथ सम्बन्धता शुल्क 200 रु. तथा प्रार्थना पत्र जनरल मोहयाल सभा को शीघ्र भेज दिया जाएगा। प्रधान जी ने सभी सदस्यों को अपने–अपने विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए निवेदन किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने आपस में एक–दूसरे को नववर्ष की बधाई के साथ सभी परिवारों के लिए नववर्ष की मंगलकामनाएँ कीं।

प्रधान जी ने चाय–पानी की सेवा करने के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की। फरवरी 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़ नई दिल्ली में दिनांक 02.02.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन किया है।

–ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर, प्रधान
मो. 9210869406

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती निशा मोहन के घर पर हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, श्रीमती कमला दत्ता ने सभा की अध्यक्षता की। गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरु हुई।

सभी बहनों ने अम्बाला में हुए मेले को सराहा। रायज़ादा श्री बी.डी. बाली जी और उनकी टीम ऐसे ही अपनी बिरादरी के लिए कार्य करते रहे। श्री जे.पी. मेहता और पूरी टीम, श्री अश्वनी बक्शी और स्त्री विंग अंबाला बधाई के पात्र हैं।

सभा में नये सदस्य बनाने पर ज़ोर दिया गया। जीएमएस के आजीवन सदस्य बनाने पर जोर दिया गया। सभा में एक जनवरी को स्त्री मोहयाल सभा की तरफ से स्थापना–दिवस मनाया जा सका। स्त्री मोहयाल सभा की सभी बहनों की तरफ से श्री बी.डी. बाली जी और उनकी टीम को नववर्ष की शुभकामनाएँ।

सभा में श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती भगीरथी बाली ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त हुई।

–श्रीमती परवीन बाली, सचिव
फोनः 1732–226799

पांवटा साहिब

दिनांकः 08.12.2013 स्थानः शिव मन्दिर धर्मशाला, बद्री नगर, पांवटा साहिब, अध्यक्षताः श्री सूरज प्रकाश बाली (प्रधान), उपस्थितिः 13.

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई जिसमें सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

शोक समाचारः श्री बोध राज दत्ता जी निवासी डांडा पागर के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया व दो मिनट का मौन रखा गया। निर्णय लिया गया कि दिनांक 15.12.2013 को रस्म पगड़ी में मोहयाल सभा पावंटा साहिब के सदस्य शामिल होंगे।

शुभ समाचारः अपने पौत्र व पौत्री (बलराम बाली व मानसी बाली) के जन्मदिवस पर श्री सूरज प्रकाश बाली जी (प्रधान) ने 400 रुपए मोहयाल सभा पावंटा साहिब को भेंट किए।

श्री ओम प्रकाश बाली जी को सर्वसम्मति से सचिव पब्लिक रिलेशन नियुक्त किया गया।

श्री सूरज प्रकाश बाली, महेश चन्द्र बाली, श्री प्रदीप दत्ता, श्री तेजिन्द्र बाली व श्री सुनील दत्ता जी ने मोहयाल मित्र के लिए निर्धारित शुल्क 200 रु. दिए जोकि जीएमएस को भेजे जा रहे हैं।

अन्य सदस्यों से भी अनुरोध किया गया कि अपनी मोहयाल मित्र के सदस्य ज़रूर बनें।

अगली मीटिंग दिनांक 05.01.2014 के लिए श्री सूरज प्रकाश बाली जी ने अपना निवास भांटावाली प्रस्तावित किया। प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद किया। जलपान व शांति पाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

–अरुण छिब्बर (सचिव) मो. 09418173246

सिरसा

सभी मोहयाल भाई बहनों को नववर्ष की शुभकामनाएँ तथा बधाई! सिरसा लोकल मोहयाल सभा की बैठक श्री सुरेश दत्ता के निवास स्थान पर श्री मदनलाल दत्त प्रधान की अध्यक्षता में हुई दिनांक 05.01.2014 को हुई। सभा की शुरूआत गायत्री मंत्र से हुई। सभी भाई बहनों ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। सभी ने प्रधान जी के पोते के दूसरे जन्मदिवस 19 दिसंबर 2013 की खुशी में उनको बधाई दी। इस खुशी में अमृतपाल दत्ता के दादा मदनलाल दत्ता तथा दादी ओमा दत्ता ने एक सौ एक रु. जीएमएस को भेजे। श्री इन्द्र कुमार दत्ता ने सभी भाई–बहनों को मिलजुल कर रहने तथा प्रेम भाव रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी अपने पूर्वजों के संस्कारों को न भूले।

प्रधान जी ने सभा को और मजबूत करने के अपने इरादे को बताया। सभा में सभी से आजीवन सदस्य बनने का आग्रह किया। सभी ने सुरेश जी का चाय–पान के लिए धन्यवाद किया।

–मदनलाल दत्त, प्रधान (फोनः 8570994004)

अबोहर, पंजाब

मोहयाल सभा अबोहर (पंजाब) की मासिक बैठक 27.10.2013 को मेहता प्रमोद कुमार भीमवाल जी के निवास स्थान भंगरखेड़ा (अबोहर) पर मेहता विश्वामित्र जी भीमवाल की अध्यक्षता में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात सभी सदस्यों को सूचित किया गया कि नववर्ष से 'मोहयाल मित्र' के वार्षिक शुल्क में बढ़ोतरी की जा रही है। अतः समय रहते सभी दिसंबर तक अपना शुल्क जमा करा दें। सदस्यों को दीपावली की शुभ कामनाएँ दी गईं।

मेहता विनोद भीमवाल जी ने सदस्यों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आजीवन सदस्य बनने की अपील की। शांति पाठ के साथ बैठक समाप्त हुई। सभा आयोजन व जलपान के लिए श्रीमती ऊषा भीमवाल व श्री प्रमोद भीमवाल सभी भीमवाल परिवार की बहुओं का धन्यवाद किया गया।

-मेहता विश्वामित्र भीमवाल, *(मो.) 9780160085*

उत्तम नगर

दिनांक 04.01.2014 को मोहयाल सभा की मीटिंग श्री अनिल कुमार दत्ता जी के निवास स्थान एफ–30 ओम विहार में हुई। प्रधान आर. के. मोहन ने सभा की अध्यक्षता करते हुए बताया कि उत्तम नगर सभा की एफीलेशन रिन्यू करवाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। हमारे क्षेत्र की निवासी विधवा बहनों के वार्षिक पेंशन फार्म सभा के पास पहुँच चुके हैं। उनको भरने का कार्य तथा सदस्यों से मिलने का कार्य श्री अविनाश कुमार दत्ता तथा विनीत बक्शी ने स्वेच्छा से स्वीकार करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। भरे हुए फार्म शीघ्र जी.एम.एस. को भेज दिए जाएंगे।

5 जनवरी को करनाल सभा के मोहयाल मेले का बधाई संदेश प्रधान श्री गुलशन वैद जी को भेजा जा रहा है। सभी मोहयाल सभाओं तथा युवा पदाधिकारियों से अनुरोध है कि उत्तम नगर मोहयाल सभा के नए कार्यालय के पते पर ही संपर्क करें–

श्री आर.के. मोहन
सी–67, रामदत्त एन्क्लेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली–110059
मो. 09654941010

श्री अनिल कुमार बाली जी ने नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ बताया कि उन्होंने क्षेत्र के मोहयाल सदस्यों की डायरेक्टरी तैयार कर ली है। इस बारे में उनके फोन नंबर 9811739590 पर अधिक जानकारी ली जा सकती है।

श्रीमती एवं श्री अनिल कुमार दत्ता जी की सुपुत्री नैनसी का जन्म–दिवस होने के कारण उन्हें ढेरों शुभकामनाएँ दी गईं। नैनसी ने सुझाव दिया कि जी.एम.एस. को प्रतिवर्ष मोहयालों से संबंधित एक कैलेंडर निकालने का कार्य अपने हाथों में लेना चाहिए। उपस्थित सदस्यों ने भी इसे पसंद किया। श्रीमती डिम्पी परिवार ने जलपान को जन्मदिवस की पार्टी जैसा आनंदमय बनाकर पेश किया तथा सभा को 101 रु. भेंट किए। इसी प्रकार प्रसन्नतापूर्ण वातावरण में सभा सम्पन्न हुई। अगली मीटिंग 02.02.2014 को श्री विनोद बक्शी जी के निवास स्थान ए–9–10, किरण गार्डन, गली नं. 20 में होनी तय हुई।

-आर.के मोहन, *प्रधान*

'हमसफर'

इन्हीं राहों ने जिन पर तुम थे कभी साथ मेरे,
मुझे रोक–रोक कर पूछा तेरा हमसफ़र कहाँ हैं,
मेरा हमसफ़र कहाँ है मुझको पता नहीं है,
शायद खुदा के घर मेरा इन्तज़ार में है।

-बृजमोहन *(मो. 9811244020)*

भाई मतिदास जी की शहादत पर "छटी" विचार गोष्ठी आयोजित

9 नवंबर को स्थानीय होटल राजमहल में राष्ट्र का मोह राष्ट्रीय हिन्दी समाचार के संपादक बख्शी रविद त्त द्वारा अमर बलिदानी शहीदों के सरताज भाई मतिदास जी छिब्बर के शहीदी दिवस पर छठे विचार गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ गायत्री पाठ से हुआ तत्पश्चात सभी अतिथियों ने भाई मतिदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

प्रधान अनिल बख्शी 'भोली' ने कहा हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसे महान ब्राह्मण भाई मतिदास को नमन कर रहे हैं जिन्होंने अनूठा बलिदान देकर भारत के इतिहास में महापुरूष बन गए।

युवा मोहयाल व भाजपा के ललित मेहता ने जोरदार शब्दों में कहा सभी लोग अमर हत्तामा के बलिदान को भुला नहीं सकते। हम शीश झुकाकर नमन करते हैं जिसे सूरमा ने धर्म व देश के खातिर प्राणों की आहुति दी।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गुरुचरण सिंह मेहता ने कहा बलिदानी सूरमा कोई–कोई होता है। औरगंजेब ने क्रूरता की हद पार कर दी, लेकिन भाई मतिदास अटल रहे। उन्होंने कहा कि युवाओं को भाई मतिदास की कुर्बानी से प्रेरणा लेनी चाहिए क्योंकि शहीदों के सरताज मतिदास छिब्बर का हिन्दुस्तान ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम आयोजन रवि बख्शी पत्रकार ने कहा इस महान देश भक्त के आदर्शों को सभी जीवन में उतारें। देश और धर्म के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले मरते नहीं व इतिहास में अमर हो जाते हैं।

इस अवसर पर कई लोगों को उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस गोष्ठी में मुख्य रूप से राणा प्रताप मेहता, श्रीमती उमा बख्शी, प्रतीक छिब्बर, करन दत्ता, श्रीमती नीरु छिब्बर, संजय दत्ता, उर्वशी दत्ता, मानसी दत्ता, हर्ष दत्ता, राकेश दत्ता, प्रीती बख्शी, श्रीमती शैला बख्शी, संजीव मेहता, अरूण मेहता के अलावा कई गणमान्य नेता व पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

-विनय बख्शी (दत्ता), *पटेल नगर, सहारनपुर (उ.प्र.)*
मो.: 09027894629

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

विनम्र श्रद्धांजलि!

जनरल मोहयाल सभा की मैनेजिंग कमेटी के सम्मानित सदस्य **सरदार वरिंदर पाल सिंह बाली** का आकस्मिक निधन 16 जनवरी को हो गया। वे मोहयाल सभा बराड़ा के संस्थापकों में थे। उनकी प्रेरणा से इस अंचल के मोहयालों में एकजुटता आई थी और सबने मिलकर मोहयाल सभा का गठन किया था। वे समर्पित मोहयाल थे। उनकी सोच सकारात्मक थी। वे जनरल मोहयाल सभा के कार्यों में बढ़–चढ़ कर भाग लेते थे। उनके निधन पर मोहयाल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

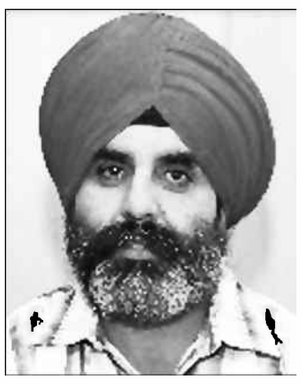

जनरल मोहयाल सभा के प्रेजीडेंट मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने सरदार वरिंदर पाल सिंह बाली को श्रद्धांजलि देते हुए कहा–''प्रभु उनकी आत्मा को शांति दें। वे जनरल मोहयाल सभा के कदम से कदम मिलकर चलने वाले मोहयाल थे। उन्होंने बराड़ा में मोहयालों को नई दिशा दी।'' जनरल मोहयाल सभा के पदाधिकारियों–ओ.पी. मोहन, जी.एल. दत्ता 'जोश', बी.एल. छिब्बर, पी.के. दत्ता, डी.वी. मोहन, डॉ. अशोक लव, योगेश मेहता, एस.एस. छिब्बर, अश्वनी बक्शी, के.जी. मोहन, सुनीता मेहता, कृष्णलता छिब्बर, पुष्प बाली, विनोद मेहता, विपन बाली आदि ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। लोकल मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी सरदार वरिंदर पाल सिंह बाली को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी रस्म–क्रिया 26 जनवरी को हुई।

स्वर्गीय पंडित सुखराज दत्त-स्मृति

हर एक विचारक की अपनी एक विचारधारा होती है उसी विचारधारा द्वारा वे समाज को सुखी, समृद्ध तथा सहयोगी बनाते हैं और अपने पूरे जीवन काल को उसी हेतु अर्पित भी कर देते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि एक ही दीपक से हज़ारों लाखों दीपक जलाए जा सकते हैं ऐसे ही एक समाज सुधारक पं. सुखराज दत्त (जम्मू) का नाम स्वर्णिम अक्षरों में उल्लेखनीय है। वे मोहयाली संस्कृति के ध्वज वाहक रहे।

दैहिक रूप से पं. सुखराज दत्त का भले ही 18 फरवरी सन् 2011 को वैकुण्ठवास हो गया है परन्तु आत्मिक रूप से वे हम सभी में जागृत हैं वे एक ऐसे प्रकाश–स्तम्भ हैं जो आने वाली संतानों को हमेशा ही प्रकाशित करते रहेंगे। वे एक सच्चे ''मोहयाल मिशनरी'' थे।

भगवान श्री परशुराम जी को जीवन भर ''इष्ट'' मान कर मोहालित के लिए अपना जीवन उन्होंने एक ''मिशनरी'' की तरह समर्पित कर दिया। जम्मू कश्मीर के इस इलाके में भगवान श्री परशुराम जी की शोभा यात्रा निकाल कर स्वयं को तो आलोकिंत किया ही इसके साथ–साथ सारे समाज को भी गौरवान्वित किया। यह उनकी सरलता, सरसता तथा सहृदयता का सच्चा प्रतिविम्ब है। परमात्मा उनको अपने चरणों में स्थान दें। इस अवसर पर श्री नरेन्द्र लव ने 250 रुपए शिक्षा फंड में अर्पित किए।

–नरेन्द्र लव, *शाहदरा, दिल्ली (मो.) 9911564481*

श्रीमती केसरा देवी जी को श्रद्धांजलि

श्रीमती केसरा देवी (पत्नी स्वर्गीय मेहता तीरथराम मोहन) की पुण्य–तिथि 25 दिसम्बर 2013 पर उनके सुपुत्र मेहता ओ.पी. मोहन (सीनियर वाईस प्रेज़िडेंट, जी.एम.एस.) और पुत्रवधू श्रीमती शकुंतला मोहन ने सपरिवार उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी माता जी की स्मृति में मेहता ओ.पी. मोहन ने मंदिर और अनाथालय में भेंट दीं। श्रीमती केसरा देवी धार्मिक विचारों की महिला थी।

उनकी पुण्य–तिथि पर जी.एम.एस. की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि!

श्रीमती किरण बाली का देहांत

पितृविहीन तो मैं अपनी बाल्यावस्था में (18.08.1988) में ही हो गई थी, पर शायद प्रकृति को इतने से संतोष नहीं हुआ व अब मैं मातृविहीन भी हो गई हूँ। मेरी पूज्यनीय माता जी श्रीमती किरण बाली पत्नी स्व. श्री प्रेमनाथ बाली (सुपुत्री स्व. श्री बख्शी रामचन्द वैद एवं स्व. श्रीमती धर्मदेवी बख्शी) का स्वर्गवास 13.10.2013 को हो गया। मेरे पिता जी स्वर्गीय श्री प्रेमनाथ बाली (सुपुत्र स्व. श्री गुरनारायण बाली एवं स्व. श्रीमती कृष्णावंती बाली) का देहांत 18.08.1988 को हो गया था।

अपने माता–पिता जी की याद में मैं जनरल मोहयाल सभा विधवा फण्ड में 1000 रुपए योगदान स्वरूप समर्पित कर रही हूँ।

–कनिका बाली, *डब्ल्युज़ेड–21बी, कृष्णा पार्क, तिलक नगर, नई दिल्ली–110018, मो. 9899895710*

श्री बोधराज दत्ता जी का निधन

श्री बोधराज दत्ता जी सुपुत्र स्वर्गीय बक्शी रामदास दत्ता व श्रीमती शांति देवी दत्ता जी का निधन 3 दिसंबर 2013 को उनके निवास स्थान डांडा पागर तहसील पांवटा साहिब में हुआ। रस्म पगड़ी दिनांक 15.12.2013 को हुई, जिसमें मोहयाल सभा पावंटा साहिब के सदस्य शामिल हुए।

स्वर्गीय श्री बोधराज दत्ता जी अपने पीछे पत्नी श्रीमती कमला देवी दत्ता, बेटी श्रीमती निर्जला, बेटा श्री सुनील दत्ता व पौत्र निहाल दत्ता, गौरव दत्ता तथा कर्ण दत्ता को छोड़ गए हैं। परिवार ने उनकी स्मृति में 251 रुपए जनरल मोहयाल सभा व 250 रु. मोहयाल सभा पावंटा साहिब को दिए।

–सूरज प्रकाश बाली *(प्रधान), मोहयाल सभा, पावंटा साहिब मो. 09318807392*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल बिरादरी के लिए रविवार का महत्व

हम कोई भी शुभ कार्य करते हैं तो दिन–वार और मुहूर्त को अवश्य देखते हैं। मैं यह बताना चाहता हूँ कि मोहयाल सभा ने जितने भी बड़े कार्य किए हैं वे सब 'रविवार' को ही किए हैं। इसका मतलब यह हुआ कि ''रविवार'' मोहयालों के प्रगति की जीवन रेखा है। उदाहरण के लिए मैं निम्नलिखित विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ:–

	कार्य	दिनांक
1.	जनरल मोहयाल सभा की पहली मीटिंग	20.09.1891
2.	जनरल मोहयाल सभा की पहली कांफ्रेंस	03.11.1892
3.	रायज़ादा बी.डी. बाली प्रेजीडेंट बने	17.09.1978
4.	मो. फाउंडेशन फेस–1 का भूमिपूजन	24.03.1991
5.	मो. फाउंडेशन फेस–1 का उद्घाटन	26.03.1995
6.	मोहयाल आश्रम हरिद्वार भूमिपूजन	27.09.1998
7.	मो. फाउंडेशन फेस–दो का भूमिपूजन	30.03.2001
8.	मोहयाल आश्रम हरिद्वार उद्घाटन	28.10.2001
9.	सेवा सदन हरिद्वार भूमिपूजन	12.10.2002
10.	मो. फाउंडेशन फेस–दो का उद्घाटन	13.04.2003
11.	मेजर के.आर. बाली मोहयाल स्कूल देहरादून	01.08.2004
12.	सेवा सदन हरिद्वार उद्घाटन	03.07.2005
13.	मोहयाल भवन इन्द्रपुरी उद्घाटन	13.11.2005
14.	मोहयाल आश्रम वृंदावन भूमिपूजन	14.02.2009
15.	मोहयाल आश्रम वृंदावन उद्घाटन	25.11.2012

इसके अलावा मैनेजिंग कमेटी की जितनी भी मीटिंग होती हैं, वे सब रविवार को होती है। ए.जी.एम. व ऑल इंडिया मोहयाल कांफ्रेंस भी रविवार को होती हैं, जी.एम.एस. के चुनाव भी रविवार को हुए हैं। 'जनरल मोहयाल सभा' के निम्न प्रमुख कार्य भी रविवार को हुए हैं और भविष्य में भी होते रहेंगे:–

1. मोहयाल दिवस 2. मोहयाल यूथ कैंप 3. मैट्रीमोनियल मेला
4. प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान
5. लोकल सभा प्रेजीडेंट एवं सेक्रेटरी मिलन

इतना ही नहीं लोकल मोहयाल सभाओं की मीटिंग भी रविवार को होती हैं और मोहयाल मिलन समारोह भी रविवार को किए जाते हैं।

यह सिलसिला 122 साल पूर्व से आज तक चलते आ रहा है और भविष्य में भी चलता रहेगा।

अब आप जरा सोचिए कि मोहयाल समाज के लिए यह 'रविवार' का दिन कितना महत्वपूर्ण है। हम भगवान सूर्य देव के आभारी हैं। बिरादरी ने जितने भी निर्णय लिए हैं रविवार को लिए हैं और उन्हें साकार भी किया है।

*–**कैप्टन के.एल. डोभाल,** कार्यालय अधीक्षक*

जी.एम.एस. की वार्षिक सदस्यता/आजीवन सदस्यता

■ मोहयाल मित्र में छपे फ़ार्म को भरकर वार्षिक सदस्यता ग्रहण करें। वार्षिक सदस्यता शुल्क सौ रुपए है।

■ आजीवन सदस्यता शुल्क 2100 रु. है। इसके लिए फ़ार्म भरकर भेजें। जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्यों को 'मोहयाल मित्र' आजीवन मिलता है।

दत्त वंश के जठेरे

–भाई वेद व्यास दत्ता (वीरम शाही)

मैं सब दत्त वंश व सब मोहयाल वंश के जठेरों पर एक पुस्तक लिखना चाहता हूँ ताकि आने वाली भावी पीढ़ी अपने रस्मों–रिवाज़ जारी रख सके।

हम रामायण, भागवत महापुराण में व मनुस्मृति, 18 पुराणों में शंकर गौरी गणेश के साथ पितृ पूजा का भी विधान है मनुस्मृति के अनुसार जो वंश या परिवार अपने जठेरों को नहीं मानता वह पितृ विपदा का शिकार होता है। आपके जठेरों में इतनी शक्ति है कि वह आपको मुक्ती भी दिला सकते हैं। हमारे मुस्लिम भाई भी शवेकदर के दिन रोशनी जला और पकवान पका कर जठेरों का स्वागत करते हैं।

दत्त वंश का आरम्भ ब्रह्मा के प्रथम मानस पुत्र अगिरा से हुआ जो ब्रहमा के मुख से पैदा हुए उनके देव गुरू वृहस्पति उनके भारद्वाज यही हमारे गौत्र कार है। दत्त वंश का आरम्भ गुरू द्रोणाचार्य से हुआ। उनके पुत्र महावलि अश्वस्थामा थे। उनके गज़ वदन आदि दो पुत्र हुए परन्तु यह वंश कई कारणों से मेसु भूमि अरब में चला गया। यहां इनका बहुत बड़ा मंदिर मुकत्तेश्वर मंदिर या (जहां मुसिलमान हज़ को जाते हैं) हरिया बन्दरगाह और कई शहर थे। इनका बड़ा सरदार सिदू फोजा जी थे जो श्री महमुद जी के बहुत करीबी साथी और प्रभु के महान संत थे। परन्तु के संतान नहीं थी। जब हज़रत महमूद जी से हुसैन ने मिलकर बावे की औलाद के लिए प्रार्थना की जवाब न में आया परन्तु हुसैन ने जिद्द की और 7 लकीरें निकाली जिससे 7 बहादुर पुत्र हुए।

दत्त वंश के आधुनिक जठेरे:– संत फौजा की समाधी के अवशेष दत्त साथ लाए और अफगानिस्तान पर भीमशाही राज स्थापित किया। यह वंश इन अवशेषों की पूजा करता रहा और साल में बकरा कुर्बानी देता रहा फिर इनका राज्य समाप्त हो गया और कुछ बचे दत्तों ने दीनापुर को स्थान बनाया परन्तु कुछ समय बाद यहां भी मुस्लिमानों ने इनको समाप्त कर दिया। कुछ अवशेष भारा राम दत्त के वर्जगों ने जम्मू लाया और बावा वीरमशाह जी के दोनों पोत्राओं को सौंपे जो 1947 तक वहां पर विराजमान थे। यहां पर प्रतिवर्ष गुरूपूर्णिमा पर पूजा होती है।

इसलिए दत्तों के आधुनिक जठेरों के तीन स्थान हैं–1. जठेरे दत्त वंश गुरदासपुर, पंजाब, 2. संत बावा वीरमशह अडी मेंढर पूंछ जम्मू कश्मीर, 3. दत्त वंश के महादानी, बलवान, धर्मगुरु संत और अब के दत्त वंश के कर्णाधार संत फौजा साहिब की समाधी जो कुछ अवशेषों से बनी है।

जठेरे अर्थात आपके पित्र अगिरस से आज तक आप का वंश परन्तु अब बावा ठक्कर, बावा वीरमशाह और संत फौजा।

दत्त वंश के मित्रों की अरदास– जय मित्रों की तीन बार

वेद पुराण वखानिए नाम चार युग धियाऊ
पंच मित्र मनाई के ताहि के गुण गाऊ
ओ, सिसट मिइ महेर मर्यादा मउन त्रय वाचा
सुख करे दुख दरिद्र खंडन।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

तीनों सदियों में प्रमुख प्रधानः रायज़ादा बी.डी. बाली

सन् 1891 में मोहयाल सभा का जन्म और गठन हुआ, जिससे हम उन्नीसवीं सदी कहते हैं। उसके लगभग एक सदी बाद 1979 में रायज़ादा बी.डी. बाली जी का जनरल मोहयाल सभा के पदार्पण हुआ इसे हम बीसवीं सदी कहते हैं। सन् 2001 में इक्कसवीं सदी शुरू हुई। इन तीन सदियों में कई प्रधान आए और अपनी सामर्थ्य और क्षमता के अनुसार कई कार्य किए जो प्रशंसनीय है। लेकिन इन तीनों सदियों में आ एक ऐसे गतिशील प्रधान आए हैं जिन्होंने हमें कृतार्थ किया है।

इतिहास गवाह है कि जननायक या नेता या प्रधान (मेरे विचार में) किसी ईश्वरीय हुक्म से ही आता है। ऐसी प्रवीणता लाखों करोड़ों में से किसी एक में ही पाई जाती है। इसी के दर्शन हम सभी को रायज़ादा बी.डी. बाली जी में स्पष्टतः दिखाई देते हैं। वे दूरदर्शी तथा वाइब्रेन्ट तो हैं ही सदाचारिता की भी एक जीती जागती मिसाल हैं। यही वह शख्स हैं जिन्होंने मोहयाल समाज को खुली मुट्ठी से दान देने की प्रेरणा दी और बंद मुट्ठी से एकता सिखाई है। हम चाहे देश में बैठे हैं या विदेश में बैठे हैं प्रधान श्री की वाणी में वह आबे–हयात है जिससे मंत्र–मुग्ध होकर हम सभी संगठित होकर "जय मोहयाल" का उद्घोष करते हैं।

मोहयाल भवन इन्द्रपुरी के उद्घाटन अवसर पर डॉ. भाई महावीर (पूर्व राज्यपाल मध्य प्रदेश) ने सभापति के आसन पर कहा था कि हम इतने सारे भवन–आश्रम–स्कूल और फाउंडेशन बनाए जा रहे हैं इसकी रक्षा के लिए भी तो कुछ करना चाहिए क्योंकि ज़मीन के लिए झगड़े हो जाना सामान्य बात है इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने Check & Balance हेतु बड़ी बड़ी दो कमेटियाँ बनाई– (1) सरपरस्त ट्रस्टीज़ (2) मोहयाल फांउन्डेशन ट्रस्टीज़।

जनरल मोहयाल सभा ने उन व्यक्तित्वों के लिए जिन्होंने मोहयाल समाज के लिए अपना तन, मन, धन से अति उत्तम काम किया "मोहयाल रत्न" की उपाधि का सृजन किया और सबसे पहला मोहयाल रत्न चौधरी हरनाम दास दत्त जी को दूसरा रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी को और तीसरा मोहयाल रत्न सन् 2012 में जनाब श्री एस.के. छिब्बर, आई.ए.एस. रिट. जी को दिया।

जनरल मोहयाल सभा में विधवाओं हेतु मासिक सहायता राशि का प्रावधान किया गया इनमें अपना सर्वाधिक योगदान श्री आमोद दत्ता जो श्री पी.के. दत्ता जी (नई दिल्ली) के भाई हैं पच्चीस लाख का योगदान (मई 2012) कर मदद की है। इसके अलावा हमारे बड़े भाई श्री एस.एल. दत्ता (नई दिल्ली) ने बहुत शुरू में बीस लाख रुपए का दान समर्पित किया है समय–समय पर श्री एस. एल. दत्ता जी दान करते रहते हैं।

जनरल मोहयाल सभा ने महिलाओं को (जिन्हें हम दुनियाँ की आधी आबादी) का नाम देते हैं केन्द्रीय स्तर पर तथा नगरीय स्तर पर प्रतिनिधित्व का पूरा पूरा अवसर प्रदान किया है। वे सभी अपनी क्षमता, दक्षता तथा निष्ठा के अनुसार संगठित होकर सक्रिय है। मिसाल के तौर पर श्रीमती कृष्णलता छिब्बर अपने पति श्री सुशील कुमार छिब्बर के साथ विवाह संबन्धी मंच संभाले हुए हैं।

श्री योगेश मेहता जी के नेतृत्व में मोहयाल यूथ विंग समय–समय पर अपना कार्य कर गतिशील रहती है। इसके साथ–साथ छोटे छोटे बच्चों में मोहयाली भावना के विकास हेतु डॉ. अशोक लव समर्पित हैं ही, साथ ही ज.मो. सभा ने "मैरिट" नाम की कम्प्यूटर की उच्च शिक्षा प्रोग्राम एम.सी.ए. तक श्री रतन दत्ता जी के संचालन में पूरी लगन, दक्षता तथा क्षमता के अनुसार प्रगतिशील है। इसमें मोहयाली छात्र–छात्राएँ तो पढ़ते ही हैं किसी भी अन्य देशी तथा विदेशी को पढ़ने की पूरी सुविधाएँ हैं। यह संस्थान मोहयाल फाउंडेंशन में ही है।

अब तो जनरल मोहयाल सभा की एक ही दिली इच्छा है कि जिस प्रकार उत्तरी अमेरिका के टोरंटो में तथा यूरोप के लंदन में मोहयाल सभाएं संगठित हैं वे अपने कार्य–कलाप मोहयाल मित्र में छपवाते रहते हैं, ठीक इसी तरह अब जल्दी ही दक्षिणी अमेरिका आस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका महाद्वीप में भी मोहयाल सभा का गठन वहाँ के मोहयाल इस वर्ष 2014 में कर दें। हम सभी जानते हैं कि मोहयाल जहाँ कहीं भी रहते हैं उनका जीवन एक जीता जागता उत्सव है।

माता श्रीमती लीलावती तथा पिता श्री टेकचन्द बाली जी के सुपुत्र रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने अपना सारा जीवन मोहयाली संस्कृति और संस्था को समर्पित कर दिया है। हम सभी हृदय से परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे परिवार सहित स्वस्थ, सुखी व सानन्द रहें।

विनीतः नरेन्द्र लव, *शाहदरा दिल्ली*
मो. 9911564481

नियति का दर्द

लोग आते हैं, चले जाते हैं
मिलते हैं, जुदा होते हैं,
रह जाते हैं बाकी यादों के टुकड़े
न बताने वाले दर्द,
तड़पने को बिछड़ने को
मन कहता है अन्याय है
अन्याय हो या बे अन्याय, लेकिन
आना जाना मिलना बिछुड़ना
'नियति' *है जिन्दगी का दूसरा नाम,* ***मगर शश्वत*** *है!*
शुरू से चला आ रहा है जो
आखिर तक चला जाएगा।

–अशोक बख्शी (वैद), *मो. 08447797824*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल मित्र घर-घर पहुँचे

मोहयाल मित्र जब भी महीने की आखिर तारीखों में घर पहुँचता हैं और इसको पढ़ने के बाद मन को ऐसा लगता है कि जैसे किसी रिश्तेदार की चिट्ठी आई है और चिट्ठी (मोहयाल मित्र) पढ़ने के बाद घर के सभी सदस्यों रिश्तेदारों का हाल–चाल जान लिया हो। मोहयाल बिरादरी के हमारे बुर्जग जो इस दुनिया से बिछड़ कर और हम को छोड़ कर स्वर्ग सिधार गए हैं इसकी जानकारी जब मोहयाल मित्रा से मिलती है सुनकर दुख होता है और जब इसकी चर्चा हम घर में अपने बुर्जगों से करते हैं तो वे यह ऐसे दुखद समाचार सुनकर अफसोस प्रकट करते हैं और अतीत में चले जाते हैं और पाकिस्तान में बचपन की बीती बातों को सुनाने लगते हैं। बुर्जगों का मोहयाल मित्र से लगाव बहुत ही ज्यादा है। मोहयाल मित्र में बच्चों के जन्म–दिन की तस्वीरें और बड़े बच्चों की शादी की तस्वीरें देखकर ऐसा प्रतीत होता है और आखों में थोड़ी लाली आती है जिससे मोहयाल मित्रा के ये तस्वीरों वाले पन्ने ब्लैक एंड वाईट होकर भी रंगदार लगने लगते हैं। जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल बिरादरी के शिक्षावान बच्चों को पुरस्कृत करना और मोहयाल मित्र में इनका गुणगान बहुत ही अच्छा कार्य है।

"मोहयाल मित्र के बढ़ते कदम कुछ ऐसे आगे निकल आये हैं। जो चेहरे मोहयालों के कभी नहीं देखे, वो मोहयाल मित्र ने हमें दिखाये हैं।"

मोहयाल कौम देश की सबसे उत्तम और निडर कौम है। यह कौम से सप्त ऋषि की सन्तान हैं और इनकी बहादुरी के किस्सों से देश का इतिहास भरा पड़ा है जाहिर है इस गर्म खून, गर्म जोशीले वाले बिरादरी के लोगों और देश में छूटी कौम को एक मंच पर लाना बहुत ही कठिन कार्य है। पर मैं बधाई देता हूँ हमारे सर्वमान्य श्री बी.डी. बाली साहेब को जिन्होंने अपनी जी. एम.एस. की पूरी संचालक टीम के साथ मिलकर इन सब मोहयालों को जोड़ा ही नहीं बल्कि तरक्की के ऐसे हिमालय पर स्थापित कर दिए हैं जहां देश की दूसरी कौमों के हर कोई व्यक्ति इनको टकटकी लगाए देख रहा है कि काश हम भी इनकी तरह होते और समाज में इस बारे में मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं दुआ करता हूँ कि श्री बी.डी. बाली जी के दिशा निर्देश से पूरी मोहयाल बिरादरी और तरक्की करें।

मोहयाल मित्रा के अंग्रेजी और हिन्दी के संपादक बहुत ही अच्छी समझ रखते हैं। मोहयाल बिरादी बड़े–बड़े अफसर, राजनेता, अभिनेता और जो समाज के बड़े–बड़े कार्यों से जो लोग जुड़े हैं उनका वर्णन मोहयाल मित्रा में अक्सर होता है जो बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोहयाल मित्रा में संपादकों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में सरल भाषा का प्रयोग हर किसी की समझ के अनुरूप है। सम्पादकों द्वारा अपना वक्त मोहयाल मित्रा और सामाजिक कार्यों के लिए देना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं जी.एम.एस. को एक सुझाव भेज रहा हूँ कि जितनी भी भारत वर्ष में नगरों कस्बों में मोहयाल सभाऐं हैं उनको लिखकर भेजे की मोहयाल मित्र को घर–घर में पहुँचाने का कार्य करें और सदस्य बनाऐं जो सबसे सराहनीय कार्य होगा। पूरी मोहयाल कौम को नतमस्तक प्रणाम।

मोहयाल मित्र का सबके घर–घर होना, बहुत ही जरूरी है।
इस मित्र के बिना मोहयालों के बारे में जानकारी अधूरी है।।

–रवींद्र मेहता 'लौ'

मोहयाल मित्र : सुझाव

'मोहयाल मित्र' जी.एम.एस. कार्यालय नई दिल्ली से प्रत्येक महीने की आखिरी तारीख को 'इन्द्रप्रस्थ डाक व्यवसाय केन्द्र' कोटला रोड नई दिल्ली–110002 से भेज दी जाती है। हमारा प्रत्येक सभा के प्रधान एवं सचिव से अनुरोध है कि वे अपनी सभा के एक प्रतिनिधि को नियुक्त करें जो अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर से प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में संपर्क करके वहाँ डाके के आने की जानकारी लेकर एवं जब पोस्ट आफिस में डाक आती है और उसमें 'मोहयाल मित्र का' थैला/बंडल आता है, पोस्टमास्टर से आज्ञा लेकर अपने सामने छंटवाई करवा सकता है, ऐसा करने से हमें आशा है कि सभी सदस्यों को ठीक समय पर 'मोहयाल मित्र' मिल सकेगा एवं पोस्टमैन को भी सहूलियत होगी।

उपरोक्त प्रक्रिया हाल ही में हमने एक–दो मोहयाल सभा से प्रयोग करके देखा है। जिसका परिणाम बहुत संतोषजनक रहा और उस क्षेत्र से हमें 'मोहयाल मित्र' न मिलने की अभी तक एक भी शिकायत नहीं मिली है।

आप भी कृपया ऐसा करके देखें।

FOR THE ATTENTION OF OUR CONTRIBUTORS OF ARTICLES ETC.

All articles, write ups etc. sent for publication in Mohyal Mitter should be brief, not long – winded, should be type - written or neatly written in hand. Articles, which are illegible, will not be published. The editorial staff reserve the right to edit the articles suitably.

Photographs sent for publication should be clear. Old faded or crumpled photos will not be published. References to old published photographs should be avoided, as far as possible. In any case, these should not have been published in MM more than one year back.

The articles should be sent, so as to reach the GMS Sect., on, or before, the 15th of a month, so that has same can be published in the next month's issue of Mohyal Mitter.

—Chief Editor MM

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor